रखंड का 85,429 करोड रुपए का बजट पेश

आई

रघुवर दास ने
-20 के लिए
का बजट पेश
वित्त वर्ष में
प्रतिशत रहने
या है।
दास ने राज्य
2019-20 के
9 करोड़ रुपये
जिसमें राजस्व
ड़ रुपये एवं
करोड़ रुपये
उन्होंने कहा
वर्ष 2019-20

में राजकोषीय घाटा 7,155.63 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जो कि आगामी वित्त वर्ष के अनुमानित जीएसडीपी का 2.26 प्रतिशत है।

मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि बजट में प्रावधान की गई सकल राशि को यदि अलग-अलग क्षेत्रों के आधार पर देखा जाए, तो सामान्य क्षेत्र के लिए 23,377 करोड़ रुपये, सामाजिक क्षेत्र के लिए 28,882 करोड़ रुपये तथा आर्थिक क्षेत्र के लिए 33,170 करोड़ रुपये उपबंधित किये गये हैं।

बजट अनुमान के अनुसार राज्य को अपने कर राजस्व से करीब 20,850 करोड़ रुपये तथा गैर कर-राजस्व से 10,674.20 करोड़ रुपये, केन्द्रीय सहायता से 13,833.80 करोड़ रुपये, केन्द्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी के रूप में 29,000 करोड़ रुपये, लोक ऋण से करीब 11,000 करोड़ रुपये तथा उधार तथा अग्रिम की वसूली से करीब 71 करोड़ रुपये प्राप्त होंगे।

मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि वित्त वर्ष 2019-20 में प्रचलित मूल्य के आधार पर झारखंड राज्य का सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 3,16,731 करोड़ रुपये आकलित किया गया है।

यह वर्ष 2017-18 के 2,86,598 करोड़ रुपये की तुलना में 10.5 प्रतिशत वृद्धि को दर्शाता है। स्थिर मूल्य पर राज्य का सकल घरेलू उत्पाद वित्त वर्ष 2019-20 के लिए 2,36,866 करोड़ रुपये अनुमानित है, जो कि पिछले वित्तीय वर्ष की 2,21587 करोड़ रुपये की तुलना में 6.9 प्रतिशत अधिक है।

मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2019-20 में 8.73 प्रतिशत की वृद्धि के साथ वर्तमान मूल्य पर प्रति व्यक्ति आय 83,513 रुपये होने का अनुमान है, जो वित्तीय वर्ष 2018-19 में 76,806 रुपये एवं 2017-18 में 70,728 रुपये थी।

बीमाधारकों को मिल सकता है दुर्घटना, स्वास्थ्य बीमा दावे का भुगतान किस्तों में पाने का विकल्प

नयी दिल्ली/पीटीआई

दुर्घटना या लाभ आधारित स्वास्थ्य बीमा का दावा करने पर अब बीमाधारक किस्तों में भुगतान पाने का विकल्प पा सकते हैं। बीमा नियामक द्वारा एक समिति की सिफारिशों को स्वीकार करने के बाद ऐसी व्यवस्था लागू हो सकती है।

साधारण एवं स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र की कई कंपनियों ने इरडा के समक्ष इन दो तरह के बीमा के मामलों में किस्तों में भुगतान का प्रस्ताव दिया था। जीवन बीमा के मामलों में इस तरह की सुविधा पहले से उपलब्ध है। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने प्रस्ताव का अध्ययन करने के लिये एक कार्यकारी समूह का गठन किया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दुर्घटना या लाभ आधारित स्वास्थ्य बीमा के दावों के निपटान में किस्तों में भुगतान के विकल्प में चूक नहीं होनी चाहिए।

वाणिज्य मंत्रालय ने नरूद्धार रिपोर्ट पर संबंधित पक्षों के विचार मांगे

पीटीआई

मंगलवार को कहा
र्थिक क्षेत्रों (सेज)
पर सौंपी गई एक
र संबंधित पक्षों से
। भारत फोर्ज के
णी की अध्यक्षता
बर 2018 में अपनी
वाणिज्य मंत्रालय
मिति ने सेज के
कर प्रोत्साहनों को
अन्य उपायों को
झाव दिया है।
ब सेज का देश के
खनीय योगदान था

लेकिन बाद में सरकार ने इन्हें दिये गये कर प्रोत्साहनों को वापस ले लिया और न्यूनतम वैकल्पिक कर और लाभांश वितरण कर लगा दिया। इसके बाद सेज का आकर्षण कम हो गया। वाणिज्य मंत्रालय ने जारी एक वक्तव्य में कहा है, ''संबद्ध पक्षों की तरफ से रिपोर्ट पर जो भी सुझाव दिये जाने हैं उन्हें 30 जनवरी तक देना होगा।'' रिपोर्ट में सेज को फिर से बेहतर बनाने के लिये कुछ और भी सुझाव दिये गये हैं। इसमें कहा गया है कि सेज का नाम बदलकर रोजगार एवं आर्थिक परिसर रख दिया जाना चाहिये। इसमें जो सनसेट अनुच्छेद है उसका विस्तार किया जाना चाहिये। प्रोत्साहनों को निवेश, रोजगार, प्रौद्योगिकी और मूल्य वर्धन के साथ जोड़ा जाना चाहिये। प्रक्रियाओं को सरल बनाया जाना चाहिये और सेवा क्षेत्र में कर लाभ दिया जाना चाहिये।

मध्यस्थ अदालतों के जरिये विवादों का तुरंत समाधान होना चाहिये। सेज में गैर- प्रसंस्करण क्षेत्रों में दोहरे इस्तेमाल में लचीलापन लाने तथा एमएसएमई योजनाओं का विस्तार इन क्षेत्रों को करने सहित कुछ और सिफारिशें इसमें की गई हैं। सेज कानून 2005 में बना था। सेज के नियमों के साथ यह 10 फरवरी 2006 को लागू हुआ।

जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रपति ट्रंप का रुख बहुत भयावह है : नार्वे की लेखिका माजा लुंदे

नयी दिल्ली/पीटीआई। नार्वे की प्रख्यात लेखिका माजा लुंदे ने कहा है कि जलवायु परिवर्तन पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अज्ञानता बहुत भयावह है। साथ ही, उन्होंने चेतावनी दी कि विश्व के नेताओं को पर्यावरण के विनाश को टालने के लिए साथ मिल कर काम करने की जरूरत है। इस साल के जयपुर साहित्य महोत्सव में भाग लेने जा रही लेखिका, स्क्रीनराइटर एवं मीडिया शख्सियत लुंदे ने इस बात का जिक्र किया कि जलवायु परिवर्तन का खतरा सचमुच में गंभीर है। विश्व के नेताओं को पर्यावरण के विनाश को टालने के लिए मिलकर काम करने की जरूरत है। उत्सव बृहस्पतिवार को शुरू होने जा रहा है।

बीएफएल एसेट फिनवेस्ट लिमिटेड
(पूर्व में बीएफएल डवलपर्स के रूप में जानते है)
पंजीकृत कार्यालय : 1, तारानगर, अजमेर रोड, जयपुर-302006, फोन : 9214018877
E.: bfldevelopers@gmail.com, W.: www.bflfin.com • CIN: L45201RJ1995PLC010646
सूचना
भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सूचीबद्धता एवं डिस्क्लोजर आवश्यकता) रेग्यूलेशन 2015 के नियम 47 के तहत यह सूचित किया जाता है कि कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक 31 जनवरी, 2019 गुरुवार को सायं 4.00 बजे कंपनी के पंजीकृत कार्यालय 1, तारानगर, अजमेर रोड, जयपुर-302006 में आयोजित की जा रही है, जिसमें अन्य विषयों के साथ 31 दिसम्बर, 2018 को समाप्त तिमाही / नौमाही के लिए कंपनी के गैर अंकेक्षित वित्तीय परिणामों पर विचार एवं स्वीकृति दी जायेगी और लेखा परीक्षण जाँच के लिए रिकॉर्ड में लाया जायेगा। यह सूचना कम्पनी की वेबसाईट www.bflfin.com और स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाईट www.bseindia.com पर भी उपलब्ध है।
दिनांक : 22 जनवरी, 2019
स्थान : जयपुर
वास्ते बीएफएल एसेट फिनवेस्ट लिमिटेड
सीएस सुरभि रावत
कंपनी सचिव एवं अनुपालन अधिकारी

अधीक्षक मनोचिकित्सा केन्द्र,जयपुर
गोविंद मार्ग, जनता कॉलोनी, जयपुर
क्रमांक : सामान्य/क्रय/2018-19/22530 दिनांक: 16/01/2019